शिक्षिका व गृहणी माताओं के व्यवहार व उपलब्ध सुविधाओं का उनके बच्चों के व्यक्तित्व पर प्रभाव

डॉ. रश्मि श्रीवास्तव
प्राचार्य
विक्टोरिया कॉलेज ऑफ एजूकेशन, सीहोर

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शिक्षिका व गृहणी माताओं के व्यवहार व उपलब्ध सुविधाओं का उनके बच्चों के व्यक्तित्व पर प्रभाव का अध्ययन हैं। अध्ययन में भोपाल शहर के कुल 140 न्यादर्श का चयन किया गया । इनमें से कुल मातायें 70 (30 शिक्षिका एवं 40 ग्रहणियों) हैं। एवं कुल बच्चें 70 (30 शिक्षिका एवं 40 ग्रहणियों) के हैं।

न्यादर्श का चयन उद्देश्यात्मक प्रतिचयन विधि (Purposive Sampling Method) के द्वारा किया गया है। इसके लिए ऐसे बच्चों का चयन किया गया है जो कि कक्षा 6 एवं कक्षा 7 में अध्ययनरत् है। उपरोक्त 70 छात्र–छात्राओं के व्यक्तित्व अध्ययन के लिए चिल्ड्रन पर्सनाल्टी क्वश्चनेयर (सी.पी.क्यू.) एस.डी. कपूर फार्म बी 1 एवं फार्म बी 2 का उपयोग किया गया हैं।

प्रस्तावना

व्यक्तित्व शब्द अंग्रेजी के पर्सनाल्टी के 'परसोना' शब्द से बना हैं। जिसका अर्थ हैं मुखौटा । व्यक्तित्व व्यक्ति के आन्तरिक व बाहरी दोनो प्रकार के गुणों का सम्मिश्रण हैं इसका अनुमान हम व्यक्ति की व्यवहार एवं गतिविध्यिों के द्वारा लगाते हैं। व्यक्तित्व में व्यक्ति की वेशभूषा, बोलचाल, शारीरिक गठन के साथ उसके व्यवहार व उसके गुणों का सम्मिश्रण होता है। व्यक्तित्व वास्तव में व्यक्ति की पूर्णता है।

समस्या कथन

शिक्षिका व गृहणी माताओं के व्यवहार व उपलब्ध सुविधाओं का उनके बच्चों के व्यक्तित्व पर प्रभाव

कथन के उद्देश्य

- शिक्षिका व गृहणी माताओं के बच्चों के व्यक्तित्व का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- शिक्षिका व गृहणी माताओं का उनके बच्चों के प्रति व्यवहार एवं उपलब्ध सुविधाओं का अध्ययन करना।

- शिक्षिका व गृहणी माताओं के व्यवहार व उपलब्ध सुविधाओं का उनके बच्चों के व्यक्तित्व पर पड़ने वाले प्रभाव में सम्बंध स्थापित करना।

अध्ययन के चर

स्वतंत्र चर – शिक्षिका व गृहणी माताओं का व्यवहार व उपलब्ध सुविधाऐं
आश्रित चर – बच्चों का व्यक्तित्व

अध्ययन की परिकल्पनाऐं

- शिक्षिका व गृहणी माताओं के बच्चों के व्यक्तित्व में कोई अंतर नहीं है।
- शिक्षिका व गृहणी माताओं का अपने बच्चों के प्रति व्यवहार में कोई अन्तर नहीं होता।
- शिक्षिका व गृहणी माताओं के बच्चों के व्यक्तित्व पर उपलब्ध सुविधाओं से अन्तर नही पड़ता ।

प्रयुक्त उपकरण

- चिल्ड्रन पर्सनाल्टी क्वश्चनेयर (सी.पी.क्यू.) द्वारा एस. डी. कपूर ।
- शिक्षिका एवं गृहणी माताओं के व्यवहार व उपलब्ध सुविधाओं सम्बंधित प्रश्नावली (स्वयं निर्मित)

न्यादर्श

- चयनित न्यादर्श में 30 माताऐं शिक्षिका एवं 40 गृहणी हैं।
- 30 बच्चे शिक्षिका माताओं के एवं 40 बच्चे गृहणी माताओं के है। इस तरह कुल न्यादर्श 140 है।

सांख्यिकीय प्रक्रिया

इस लघु शोध में बच्चों का (सी.पी.क्यू) परीक्षण कर उनको फार्म बी 1 एवं फार्म बी 2 के कुल स्कोर को जोड़कर इन अंको का प्रतिशत निकाला गया है। माताओं की प्रश्नावली में भी प्रश्नों के उत्तरों को अंक देकर कुल अंको का प्रतिशत निकाला गया है।

सारणी क्रमांक 1

शिक्षिका व गृहणी माताओं के बच्चों के व्यक्तित्व का तुलनात्मक अध्ययन

व्यक्तित्व	कारक	शिक्षिका माताओं के बच्चे	कारक	गृहणी माताओं के बच्चे
A	+68%	12.28	+64%	12.8
B	40%	7.16	34%	6.8
C	+72%	13.02	+66%	13.1
D	+47%	8.52	40%	8.02
E	+45%	8.19	43%	8.55

साराणी क्रमांक 2

शिक्षिका व गृहणी माताओं का उनके बच्चों के प्रति व्यवहार एवं उपलब्ध सुविधाओं का अध्ययन करना

व्यक्तित्व कारक	शिक्षिका माताओं के बच्चे	गृहणी माताओं के बच्चे
A	63%	62%
B	34%	34%
C	69%	61%
D	65%	64%
E	63%	56%

साराणी क्रमांक 3

शिक्षिका व गृहणी माताओं के व्यवहार व उपलब्ध सुविधाओं का उनके बच्चों के व्यक्तित्व में पर पड़ने वाले प्रभाव में सबंध स्थापित करना।

व्यक्तित्व	कारक	शिक्षिका माताओं के बच्चे	कारक	गृहणी माताओं के बच्चे
A	11.8	59%	13.7	69%
B	6.9	35%	7.1	36%
C	6.6	33%	15.4	77%
D	8.7	44%	8.25	41%
E	8.3	42%	7.8	39%

निष्कर्ष

यह अध्ययन शिक्षिका व गृहणी माताओं के व्यवहार व उपलब्ध सुविधाओं का उनके बच्चों पर पड़ने वाले प्रभाव का था। इस अध्ययन पर आधारित निम्नलिखित निष्कर्ष आये हैं।

- शिक्षिका माताओं के बच्चे गृहणी माताओं के बच्चों से ज्यादा मिलनसार, साहसी, सामाजिक जीवन जीने वाले होते है अर्थात् समूह में रहने वाले होते हैं।
- शिक्षिका माताओं की तुलना में गृहणी माताओं के बच्चें आपस में कम लड़तें हैं क्योंकि उन्हें अकेले कम रहने को मिलता है।
- इस अध्ययन से यह निष्कर्ष निकला कि सुविधाओं का बच्चों के व्यक्तित्व पर ज्यादा असर नहीं होता शायद इसकी वजह यह भी हो सकती है कि यह अध्ययन सामान्य, सामाजिक, आर्थिक स्तर (मध्यम वर्ग) पर किया गया है। सभी के घरों में लगभग सामान्य सुविधा उपलब्ध थी।

सदंर्भ ग्रंथ सूची

एम. पी. मल्होत्रा, शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्व, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

जी.डी.सत्संगी, स्वास्थ्य विज्ञान तथा जनसंख्या, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

दिनेशचन्द्र भारद्वाज विद्यालय प्रशासन एवं स्वास्थ्य शिक्षा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा